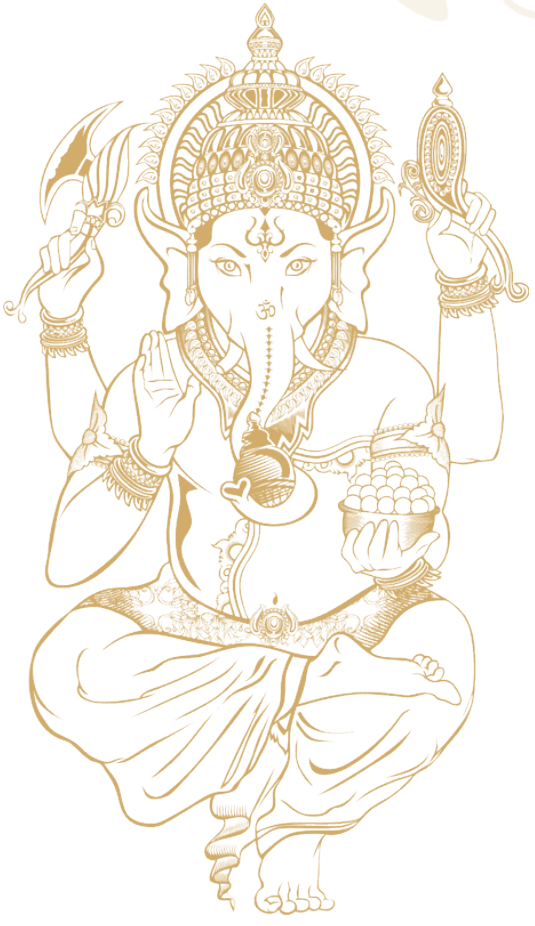

Avishi Sharma

05 Mar 2006

01:24 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121962005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/03/2006**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:24:00 घंटे**
इष्ट	16:26:51 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:57:28 घंटे
वेलान्तर	-00:11:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:10 घंटे
सूर्योदय	06:49:15 घंटे
सूर्यास्त	18:27:23 घंटे
दिनमान	11:38:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:39:26 कुम्भ
लग्न के अंश	17:06:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:06:26	315:38:39	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	20:39:26	01:00:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	02:18:48	13:25:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल			वृष	13:57:09	00:31:47	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध	व		मीन	02:30:27	00:22:36	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु	व		तुला	24:55:05	00:00:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	06:01:56	00:47:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	11:17:47	00:03:12	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	10:33:15	00:01:13	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु			कन्या	10:33:15	00:01:13	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:59:53	00:03:27	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	24:20:38	00:02:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:39:04	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	03:06:27	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:35

लग्न-चलित

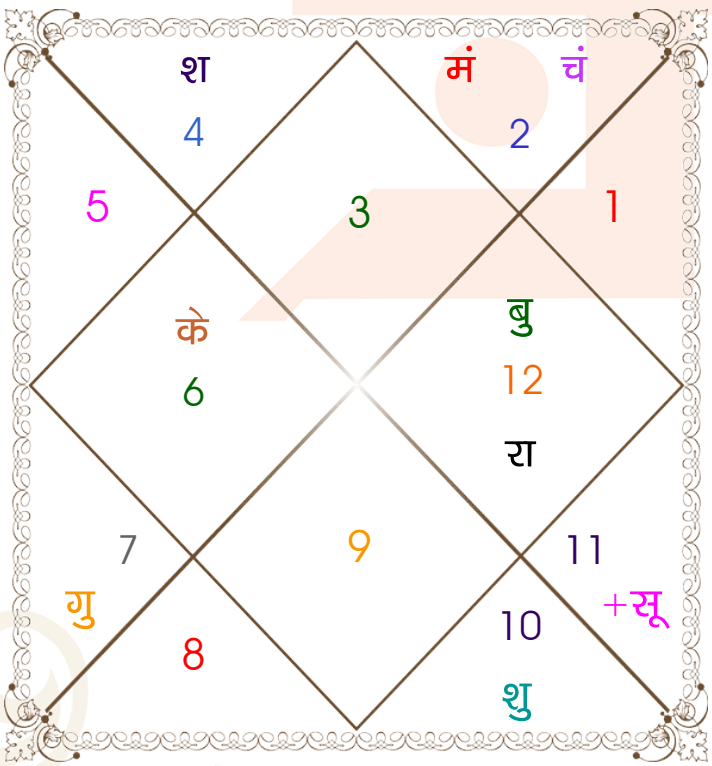

चन्द्र कुंडली

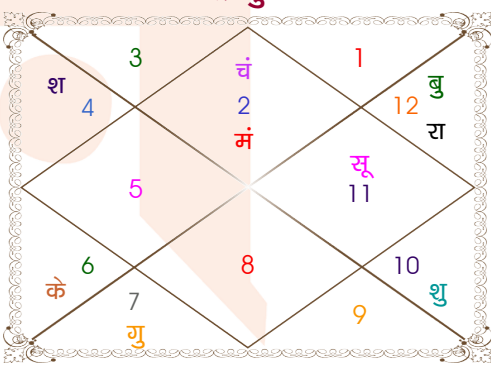

नवमांश कुंडली

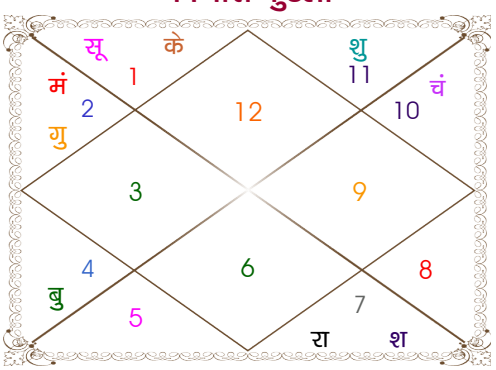

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 5 मास 15 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/03/2006		19/08/2009		20/08/2019		20/08/2026		19/08/2044	
19/08/2009		20/08/2019		20/08/2026		19/08/2044		19/08/2060	
	00/00/0000	चंद्र	20/06/2010	मंगल	16/01/2020	राहु	02/05/2029	गुरु	07/10/2046
	00/00/0000	मंगल	19/01/2011	राहु	03/02/2021	गुरु	25/09/2031	शनि	20/04/2049
	00/00/0000	राहु	20/07/2012	गुरु	10/01/2022	शनि	01/08/2034	बुध	27/07/2051
	05/03/2006	गुरु	19/11/2013	शनि	18/02/2023	बुध	18/02/2037	केतु	01/07/2052
गुरु	26/06/2006	शनि	20/06/2015	बुध	16/02/2024	केतु	08/03/2038	शुक्र	02/03/2055
शनि	08/06/2007	बुध	19/11/2016	केतु	14/07/2024	शुक्र	08/03/2041	सूर्य	20/12/2055
बुध	13/04/2008	केतु	20/06/2017	शुक्र	13/09/2025	सूर्य	31/01/2042	चंद्र	20/04/2057
केतु	19/08/2008	शुक्र	18/02/2019	सूर्य	19/01/2026	चंद्र	02/08/2043	मंगल	27/03/2058
शुक्र	19/08/2009	सूर्य	20/08/2019	चंद्र	20/08/2026	मंगल	19/08/2044	राहु	19/08/2060

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/08/2060		20/08/2079		19/08/2096		21/08/2103		21/08/2123	
20/08/2079		19/08/2096		21/08/2103		21/08/2123		00/00/0000	
शनि	23/08/2063	बुध	16/01/2082	केतु	15/01/2097	शुक्र	20/12/2106	सूर्य	09/12/2123
बुध	02/05/2066	केतु	13/01/2083	शुक्र	17/03/2098	सूर्य	21/12/2107	चंद्र	08/06/2124
केतु	11/06/2067	शुक्र	13/11/2085	सूर्य	23/07/2098	चंद्र	20/08/2109	मंगल	14/10/2124
शुक्र	11/08/2070	सूर्य	19/09/2086	चंद्र	21/02/2099	मंगल	21/10/2110	राहु	08/09/2125
सूर्य	24/07/2071	चंद्र	19/02/2088	मंगल	21/07/2099	राहु	20/10/2113	गुरु	06/03/2126
चंद्र	21/02/2073	मंगल	15/02/2089	राहु	08/08/2100	गुरु	20/06/2116		00/00/0000
मंगल	02/04/2074	राहु	04/09/2091	गुरु	15/07/2101	शनि	21/08/2119		00/00/0000
राहु	06/02/2077	गुरु	10/12/2093	शनि	24/08/2102	बुध	21/06/2122		00/00/0000
गुरु	20/08/2079	शनि	19/08/2096	बुध	21/08/2103	केतु	21/08/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।